Date ______
Page ______

आत्म परिचय - कविता

अभ्यास प्रश्न

(क) कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ - विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है?

(ख) जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं - कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

(ग) 'मैं और, और जग और कहाँ का नाता' पंक्ति में और शब्द की विशेषता बताइए

(घ) शीतल वाणी में आग के होने का क्या अभिप्राय है?

Scanned with CamScanner